बच्चे, वायु और कोरोना 6

कोविड वेरिएंट बनाम वैक्सीन योद्धा

(कोविड-19 वैक्सीन और टीकाकरण के बारे में बच्चों और अभिभावकों को जागरूक करने के लिए एक कॉमिक)

डॉ. रवींद्र खैवाल

डॉ. सुमन मोर

बच्चे, वायु और कोरोना 6

कोविड वेरिएंट बनाम वैक्सीन योद्धा

(कोविड-19 वैक्सीन और टीकाकरण के बारे में बच्चों और अभिभावकों को जागरूक करने के लिए एक कॉमिक)

आम जनता के बीच कोरोनावायरस, इसके वेरिएंट और टीकों के बारे में कुछ चिंताएँ एवं घबराहट है। सभी उम्र के लोग दूसरो स्वयं को सजग करने के लिए उपलब्ध मीडिया जैसे समाचार पत्र, सोशल मीडिया और टेलीविजन का उपयोग करते है। अब, कोविड वेरिएंट और बच्चों पर इसके संभावित प्रभाव के बारे में चर्चा हो रही है, जिसमें बच्चों के लिए टीकाकरण भी शामिल है। यह बच्चों को थोड़ा चिंतित कर सकता है क्योंकि उनके पास प्रामाणिक जानकारी नहीं है। बच्चे इंटरनेट का भी उपयोग कर रहे हैं, लेकिन सही जानकारी की कमी उन्हें गुमराह कर सकती है। माता-पिता को उनसे बात करनी चाहिए और उनके प्रश्नों का हल करना चाहिए, ताकि वे घबराएं नहीं! हम ने उनकी मदद के लिए, किड्स, वायु और कोरोना कॉमिक्स के अब तक छह भाग लिख चुके हैं।

कई चरणों के मानव परीक्षण और नियामक प्रक्रियाओं के बाद वयस्क आबादी को कोविड-19 टीके, सुरक्षित रूप से दिए जा रहे हैं। कुछ देशों ने बच्चों के लिए भी कोविड वैक्सीन की मंजूरी दे दी है और भारत में वैक्सीन के परीक्षण की प्रक्रिया चल रही है। यह कॉमिक उन्हें टीकों के बारे में वैज्ञानिक रूप से मार्गदर्शन करने, उनकी शंकाओं और चिंताओं को दूर करने का एक प्रयास है।

पीजीआईएमईआर-चंडीगढ़, भारत और पंजाब विश्वविद्यालय-चंडीगढ़, भारत ने नियमित टीकाकरण सहित बच्चों के लिए कोविड -19 वैक्सीन के बारे में शिक्षित करने के लिए कॉमिक का छठा भाग बनाया है, टीकाकरण हर साल लाखों बच्चों की जान बचाता है। बच्चे हमारे हीरो हैं क्योंकि वे कोविड-अनुरूप व्यवहार का पालन करते हैं। बच्चे अपने परिवार और माता-पिता को टीकों के बारे में बताकर, उनकी शंकाओ को दूर कर सकते है व कोविड -19 बीमारी की रोकथाम और इस पर नियंत्रण के लिए भी उनको प्रोत्साहित कर सकते हैं । साथ मिलकर हम इस बीमारी को मिटा सकते हैं।

BREAKING
NEWS
COVID-19
ताजा खबर के अनुसार ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने बच्चों पर कोविड -19 वैक्सीन के क्लिनिकल परीक्षण करने की मंजूरी दे दी है।

यह अच्छा है कि बच्चों का टीकाकरण उपलब्ध होगा।
SAVE ENVIRONMENT
बच्चों के लिए टीकाकरण?

हाँ! मैंने अपने माता-पिता को बात करते हुए सुना है कि बच्चों के लिए टीकाकरण उपलब्ध होगा।
हाँ, मैंने भी समाचारों में देखा है।
आओ मिलते हैं इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करने के लिए।

क्या बच्चों के लिए कोविड -19 का टीका बनेगा?
क्या हमें वास्तव में बच्चों का टीकाकरण करने की आवश्यकता है?
बच्चों में परीक्षण कैसे काम करेगा?

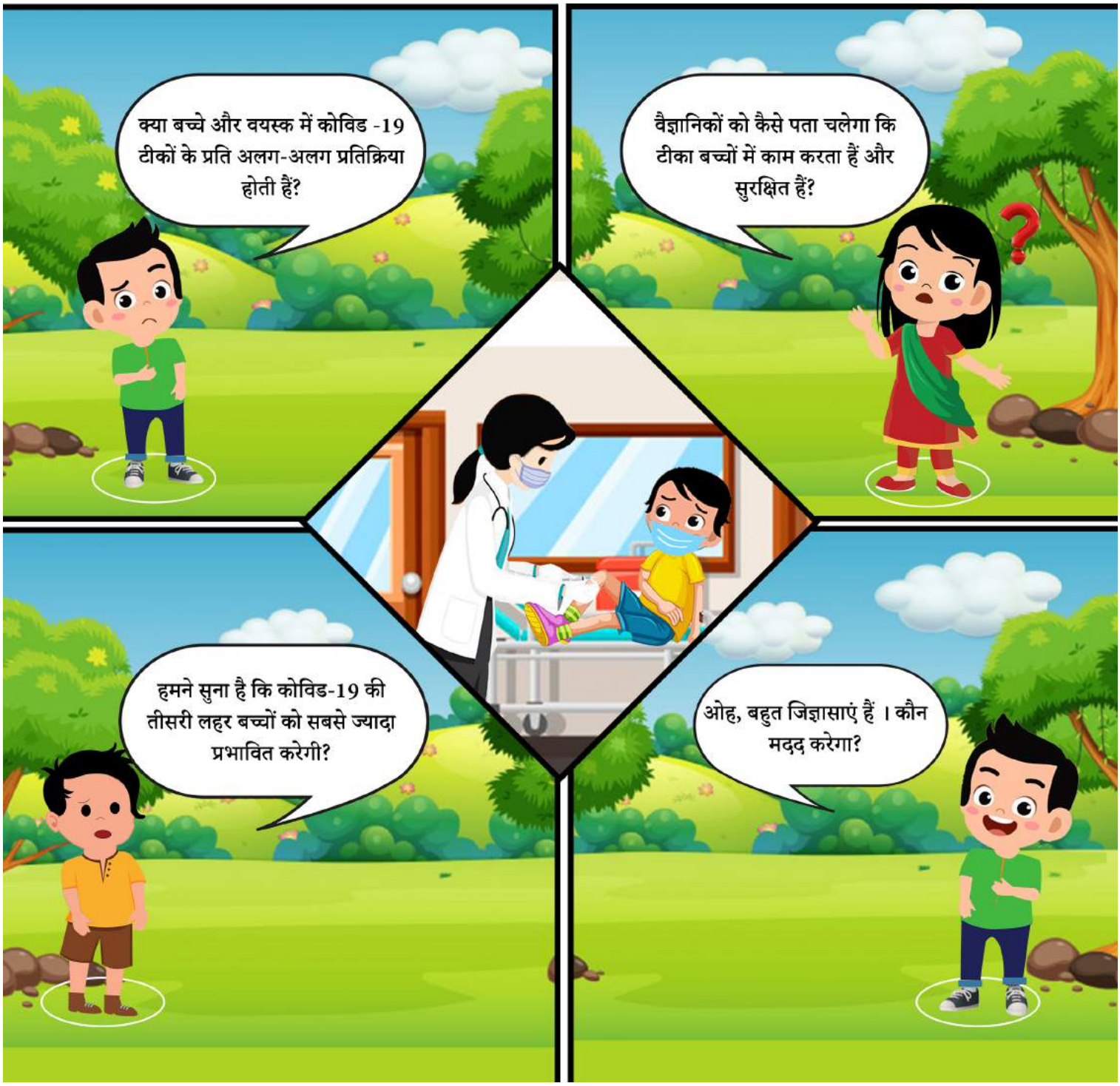
क्या बच्चे और वयस्क में कोविड -19 टीकों के प्रति अलग-अलग प्रतिक्रिया होती हैं?
वैज्ञानिकों को कैसे पता चलेगा कि टीका बच्चों में काम करता हैं और सुरक्षित हैं?
हमने सुना है कि कोविड-19 की तीसरी लहर बच्चों को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगी?
ओह, बहुत जिज्ञासाएं हैं । कौन मदद करेगा?

मुझे पता है कि कौन मदद करेगा। चलो वायु को बुलाते हैं ।
वायु ..
वायु, वायु ..

वायु हिमालय में योग और ध्यान का अभ्यास करते हुए
वायु, वायु ..
बच्चे परेशान प्रतीत हो रहे हैं। मुझे उनके पास जाना चाहिए।

बच्चों, क्या हुआ?

वायु, हमें पता चला कि बच्चों के लिए एक कोविड -19 वैक्सीन का परीक्षण चल रहा है?

यह सच है, बच्चों।

लेकिन हम सुरक्षित हैं। हमें बच्चों के लिए वैक्सीन की आवश्यकता क्यों है?

बच्चों, आप जानते हैं कि कोरोना वायरस सभी उम्र के लोगों को संक्रमित करता है। अब तक, बच्चों पर ज्यादा प्रभाव नहीं देखा गया था, लेकिन वायरस तेजी से परिवर्तन कर रहा है। अतः टीका सभी बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

बच्चों ने सुरक्षित रूप से मास्क हटा दिए क्योंकि वायु ने पर्यावरण को सुरक्षित बना दिया।

लेकिन मैं हमेशा कोविड-अनुरूप व्यवहार का पालन करता हूं। क्या मुझे वैक्सीन चाहिए?
अच्छा सवाल है। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, वायरस के कुछ उपभेद (वैरिएंट) बच्चों को प्रभावित कर सकते हैं और इसलिए, टीका सभी बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

आपने कोविड-19 के अनुरूप व्यवहार का उल्लेख किया, कृपया मुझे याद दिलाएं की आप किन- किन प्रमुख सावधानियों का पालन करते हो?
सरल उपाय कोरोना भगाए
मैं कोविड-19 को हराने की शपथ लेता हूँ
हैंड हाइजीन
योग और ध्यान
पौष्टिक आहार
बीमार होने पर डॉक्टर को बुलाएं
1 मीटर
घर पर रहना
खांसी का शिष्टाचार
भीड़ और यात्रा से बचें
चेहरा मास्क पहनें
हाथ धोना
भीड़भाड़ वाली जगहों से बचें
टीका लगवाएं
2 METRE
2 फ़ीट दूरी बनाएं
कोविड-19 के अनुरूप व्यवहार

डबल मास्क कैसे पहनें

अतिरिक्त कपड़े के मास्क को अच्छे से फिट कर के पहनें

सर्जिकल मास्क के ऊपर क्लॉथ मास्क का उपयोग करें

N95 मास्क के साथ दोहरीकरण की आवश्यकता नहीं है

डबल मास्क की जोड़ी

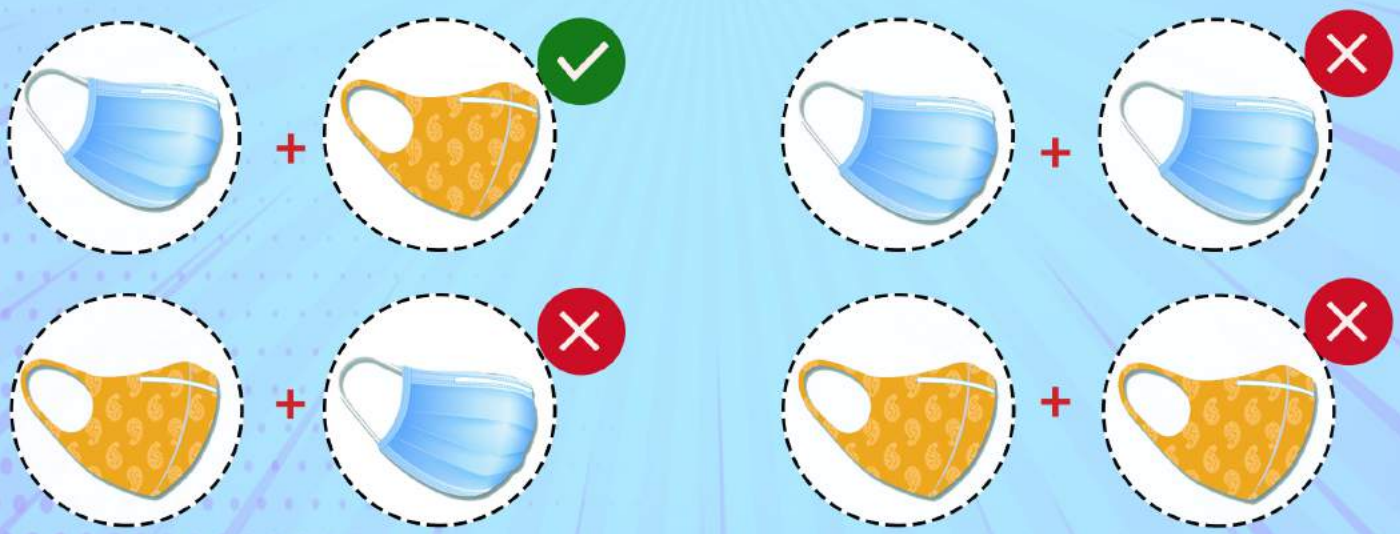

N95 मास्क के साथ कोई अन्य मास्क न पहनें

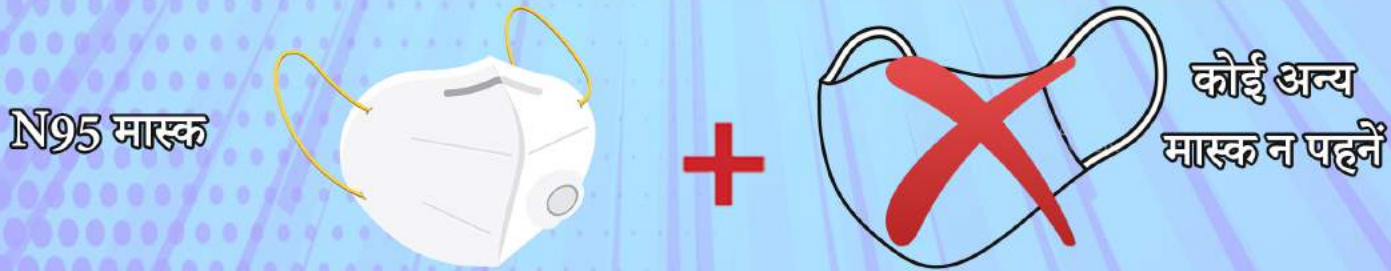

वायु, आपने हमें बताया कि वायरस तेजी से रूप बदल रहा है? यह क्या है?

बच्चों, आप जानते हैं कि SARS-CoV-2 वायरस कोविड-19 बीमारी का कारण बनता है। वायरस वृद्धि के दौरान या पर्यावरणीय कारकों से उनके अनुवांशिक सूत्र में थोड़ा सा परिवर्तन आता है, इसे म्यूटेशन कहते हैं ।

कोविड-19

पुराने लक्षण

नए लक्षण

हां, वायु, हमें याद है कि आपने हमें बताया था कि कोविड-19 एक आरएनए-आधारित कोरोनावायरस है।

इसकी सतहों पर क्राउन जैसे उभार होते हैं।

बहुत अच्छे बच्चे! कोरोनावायरस में उत्परिवर्तन आनुवंशिक सामग्री में मामूली बदलाव या वायरस की सतह पर स्पाइक्स में कुछ संशोधन ला सकता है। यह नए लक्षणों का कारण हो सकता है।

दुनिया भर के वैज्ञानिक इन बदलावों पर नजर रखते हैं। इनमें से अधिकांश परिवर्तन (म्यूटेशन) महत्वहीन होते हैं।

कोविड -19 वैक्सीन कोरोनावायरस से सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और इसलिए, बच्चो पर भी क्लीनिकल परीक्षण चल रहे हैं।

उत्परिवर्तित वायरस श्रेणी

वैरिएंट: यह विशिष्ट आनुवंशिक मार्करों के साथ का एक प्रकार जो रिसेप्टर बाइंडिंग में परिवर्तन करता है, यह पिछले संक्रमण या टीकाकरण के खिलाफ उत्पन्न एंटीबॉडी एवं उपचार को कम प्रभावी बना सकता है। जैसे-बी.1.525, बी.1.526, बी.1.617, पी.2

चिंताजनक वैरिएंट: एक प्रकार जिसके संचरण क्षमता में वृद्धि, अधिक गंभीर बीमारी (जैसे, अस्पताल में भर्ती या मृत्यु में वृद्धि), पिछले संक्रमण या टीकाकरण के दौरान उत्पन्न एंटीबॉडी के विफल होने की संभावना है, यह उपचार या टीकों की प्रभावशीलता में कमी या निदान का पता लगाने में विफलता का कारण बन सकता है। जैसे-बी. E.g.-B.1.1.7, बी.B.1.351, बी.B.1.427, P.1

अधिक प्रभावशाली वैरिएंट: इस प्रकार के वायरस पर सुरक्षात्मक या चिकित्सा प्रतिवाद का प्रभाव काफी घातक हो सकता है। वर्तमान में कोई इस तरह का SARS-CoV-2 प्रकार जानकारी में नहीं है।

ठीक है

क्या आप जानते हैं कि टीके हर साल लाखों लोगों की जान बचाते हैं?

हाँ, वायु। हम इसे किड्स, वायु और कोरोना 5 में पढ़ा है: वैक्सीन का उदय-कोरोना का पतन।

हमें याद है कि कॉमिक 5 में क्लिनिकल परीक्षण कैसे किए जाते हैं।

हाँ, बच्चों पर भी इसी तरह क्लीनिकल ट्रायल होगा। वैज्ञानिक ट्रायल में शामिल बच्चो और उनके माता पिता से अनुमति लेंगे।

सुरक्षा और प्रभावकारिता मूल्यांकन

1

चरण 1 में वैक्सीन की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं इसकी सामान्य और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की पुष्टि करने के लिए कम संख्या में स्वस्थ स्वयंसेवकों पर परिक्षण किया जाता है।

यह सही खुराक निर्धारित करने में भी मदद करता है।

2

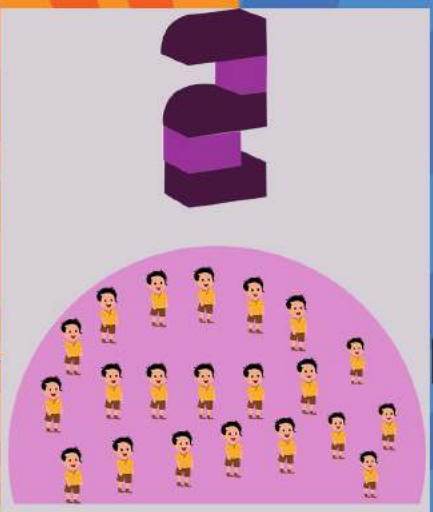

विभिन्न आयु समूहों और विभिन्न टीकों के योगों का मूल्यांकन करने के लिए चरण 2 का परीक्षण कई चरणों में किया जाता है। जिन स्वयंसेवकों को वैक्सीन नहीं मिली, उन्हें भी इस चरण में शामिल किया गया है।

यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि एंटीबॉडी उत्पादन संयोग से तो नहीं है।

3

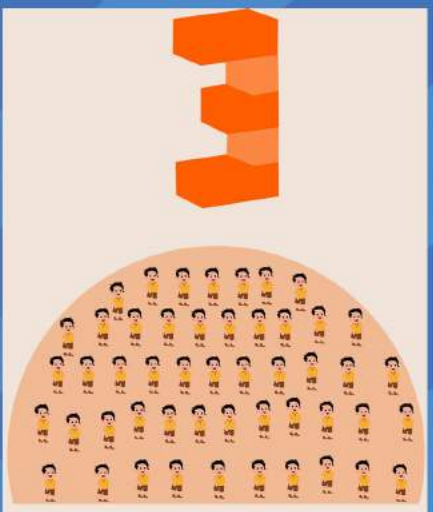

एक देश के भीतर कई स्थानों एवं कई विभिन्न देशों में हजारों की संख्या में स्वयंसेवकों को टीका दिया जाता है। परिणामों की तुलना उन लोगों के समान समूह से की जाती है जिन्हें टीका नहीं मिला था।

चरण 3 यह निर्धारित करने में मदद करता है कि क्या टीका उस बीमारी के खिलाफ प्रभावी है जिस लिए इसे बनाया गया है और इसका उपयोग बहुत बड़े समूह में

नियामक और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा कड़ी जाँच प्रक्रिया – (कोविड -19 वैक्सीन)

COVID19 VACCINE

सही बताया, बच्चों! वैज्ञानिक परीक्षण के बाद, कोविड -19 वैक्सीन को *राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह (NEGVAC)* के मार्गदर्शन में नियामक और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के अनुसार अनुमोदित किया जाता है । यहां विशेष रूप से वैक्सीन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच की जाती है।

हाँ, वायु! आपने यह भी उल्लेख किया कि नियामक और वैज्ञानिक निकाय लगातार परिणाम की निगरानी करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि टीका करण जारी रखना सुरक्षित है।

धन्यवाद वायु! आपने हमें बहुत कुछ सिखाया है।
बच्चों, क्या आप जानते हैं कि कई बीमारियों से बचाव के लिए आपको पहले ही टीका लगाया जा चुका है?
वाक़ई?
हाँ, मैं समझाता हूँ। भारत सरकार का एक कार्यक्रम है जिसे 'द यूनिवर्सलइम्यूनाइजेशन प्रोग्राम- (यूआईपी)' के नाम से जाना जाता है। यूआईपी के तहत, आपको तपेदिक, पोलियो और अन्य 2.0 से ज़्यादा बीमारियों के खिलाफ टीका लगाया गया था।
Measles
Tetanus
Poliovirus
MISSION INDRADHANUSH
समझदार बने !
अपने बच्चे को सभी टिका लगवाए
यह दिलचस्प है। कृपया हमें और बताएं।

मिशन इंद्रधनुष 2.0

Don't Forget, Vaccination Your baby must get!

टिटनेस-1
गर्भावस्था की शुरुआत

टिटनेस-2
TT-1. के 4 सप्ताह

टिटनेस बूस्टर
यदि पिछले 3 वर्षों के भीतर गर्भावस्था में 2TT खुराक ली है

बेसिल कैल्मेट-गुएरिन
जन्म के समय या एक वर्ष की आयु तक जितनी जल्दी हो सके

हेपेटाइटिस बी
जन्म के समय या जितनी जल्दी हो सके 24 घंटे के भीतर

ओरल पोलियो वैक्सीन-0
जन्म के समय या पहले 15 दिनों के भीतर जितनी जल्दी हो सके

ओरल पोलियो वैक्सीन-1,2,3
6 सप्ताह, 10 सप्ताह और 14 सप्ताह में

पेंटावैलेंट 1,2,3
6 सप्ताह, 10 सप्ताह और 14 सप्ताह में

रोटावायरस
6 सप्ताह, 10 सप्ताह और 14 सप्ताह में

इनएक्टिव पोलियो वैक्सीन
दो आशिक खुराक 6 एवं 14 सप्ताह की उम्र में (एक साल की उम्र तक)

न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी)
6 सप्ताह और 14 सप्ताह में
9 महीने पूरे होने पर-बूटर

खसरा/रूबेला एमआर पहली खुराक
9 पूरे हुए महीने-12 महीने

जापानी इंसेफेलाइटिस-1
9 पूरे हुए महीने-12 महीने

विटामिन ए
(पहली खुराक)
खसरा और रूबेला के साथ 9 महीने पूरे होने पर

2017 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दो साल तक के प्रत्येक बच्चे और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचने के लिए गहन मिशन इंद्रधनुष शुरू किया गया था।

डिप्थीरिया, पर्टुसिस और टिटनेस बूस्टर-1
16-24 महीने पर

खसरा/एमआर दूसरी खुराक
16-24 महीने पर

ओरल पोलियोवायरस टीके बूस्टर
16-24 महीने पर

जापानी इंसेफेलाइटिस वैक्सीन-2
16-24 महीने पर

विटामिन ए
16-18 महीने पर। फिर 5 साल की उम्र तक हर 6 महीने में एक खुराक लें

डिप्थीरिया, पर्टुसिस और टिटनेस बूस्टर-2
5-6 साल की उम्र में

टिटनेस
10 साल और 16 साल की उम्र में

MISSION INDRADHANUSH

समझदार बने !

अपने बच्चे को सभी टीका लगवाए

कोविड-19 टीकाकरण के लिए स्वयं पंजीकरण

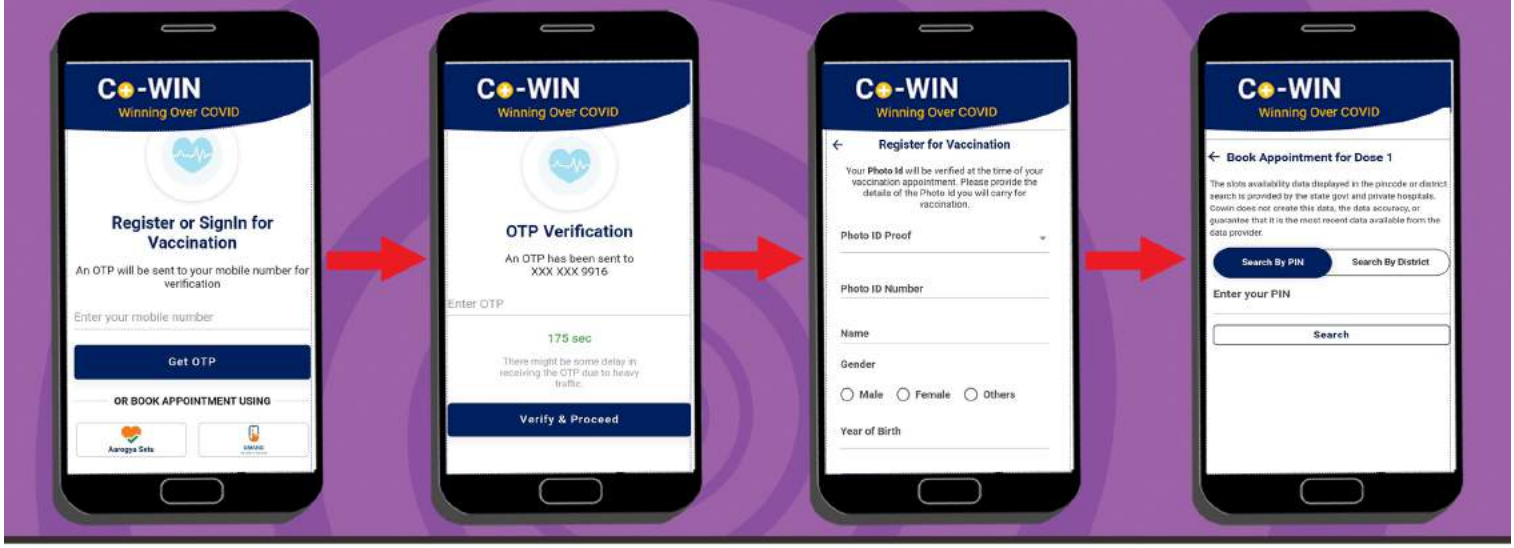

लाभार्थी टीकाकरण प्रक्रिया

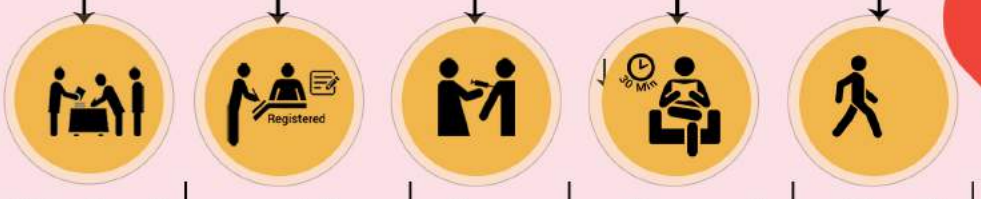

सीमित ऑन-स्पॉट पंजीकरण	अपना पंजीकरण विवरण सत्यापित करें	टीकाकरण	प्रतिकूल घटना के लिए प्रतीक्षालय	30 मिनट प्रतीक्षा करे व घर जाओ

मैंने कोविड टीका लगवाया
मुझे दूसरों की चिंता है

Co-WIN: Winning Over COVID-19

वैक्सीन प्रतिकूल प्रतिक्रिया
हेल्पलाइन 104 पर संपर्क करें

बच्चों को कोविड-19 का टीका कैसे लगाया जाएगा?

जैसा कि मैं कॉमिक 5 में पहले ही बता चुका हूं, यह बच्चों को उनकी उम्र के आधार पर दिया जाएगा।

बच्चों के लिए कोविड-19 वैक्सीन देने की प्रकिर्या

डेल्टॉइड मांसपेशी
(ऊपरी बांह)

वास्तु
(जांघ की मांसपेशी)

क्या इससे दर्द होगा?

नहीं बच्चों, स्टाफ को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाता है ताकि दर्द न हो। तुम बहादुर बच्चे हो।

हम इंजेक्शन से नहीं डरते। हम बहादुर हैं, वायु।

कोविड-19 वैक्सीन के दुष्प्रभाव

क्या कोविड-19 वैक्सीन के कोई दुष्प्रभाव हैं?

टीके बहुत सुरक्षित हैं क्योंकि उन्हें सख्त प्रोटोकॉल के माध्यम से विकसित और अनुमोदित किया जाता है।

हालांकि, साइड-इफेक्ट्स हो सकते हैं लेकिन आमतौर पर वे बहुत मामूली होते हैं और उनकी अवधि कम होती है जैसे कि हाथ में दर्द या हल्का बुखार।

वैक्सीन के गौण प्रभाव न के बराबर होते हैं

हम अपने टीके का इंतजार कर रहे हैं।

हम वैक्सीन लेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे सभी दोस्त और परिवार के सदस्य भी इसे कोविड-19 को हराने के लिए लें।

आप हमारे हीरो हैं, बच्चे। आप सही मायने में वैक्सीन योद्धा होंगे।

ओके किड्स, बताएं कि हम कैसे कोविड-19 के प्रसार को कैसे रोक सकते हैं और इसे हरा सकते हैं?

बेहतर प्रतिरक्षा का निर्माण

रोज़ कसरत करो

सब्ज़ी और फल खाएं

अधिक पानी पीना

सब्ज़ी और फल खाएं

अपने विटामिन लें

उचित नींद

टीका लगवाएं

वैक्सीन अन्य उपायों जैसे हाथ धोने, स्वच्छता और फेस मास्क के साथ महामारी को रोकने में मदद करेगी।

वैक्सीन अन्य उपायों जैसे हाथ धोने, स्वच्छता और फेस मास्क के साथ महामारी को रोकने में मदद करेगी।

30 SECS

VACCINATED

टीकाकरण समुदायों में बीमारी के प्रसार को कम करता है और यह उन लोगों की रक्षा करने में मदद करता है जो टीका नहीं ले सकते।

बहुत अच्छा। याद रखें, टीके कोविड-19 रोग और अस्पताल में भर्ती होने की गंभीरता को कम करते हैं।

वैक्सीन	पहली खुराक व दूसरी खुराक के बीच अंतर
कोवैक्सिन	4-6 सप्ताह
कोविशील्ड	12 सप्ताह
मॉडर्ना	4 सप्ताह
फाइजर	3 सप्ताह
स्पुतनिक V	4 सप्ताह

विद्यालय
वायु, कोविड-19 वैक्सीन के बाद, क्या मैं स्कूल जा सकता हूँ?
छात्रों का स्वागत है।

क्या इसका मतलब है कि हम अपने दोस्तों से मिल सकते हैं और उनके साथ खेल सकते हैं?
वेषु करुणा चापि मैत्री तेषु विधीयताम्।
सभी जीवों के प्रति दयालु और मैत्रीपूर्ण रहें।

हाँ, मुझे भारत में कुछ खूबसूरत जगहों पर जाने की इच्छा है।

हाँ, बच्चों! अगर आप और आपके परिवार के सदस्य भी वैक्सीन लेते हैं। यह जीवन को सामान्य करने में मदद करेगा। हालाँकि, हमें नए कोविड अनुरूप व्यव्हार को अपनाने की जरूरत है जैसा कि मैंने आपको किड्स, वायु और कोरोना 4: कोविड अनुरूप व्यवहार में समझाया था।

वायु, हमने सुना है कि कोविड-19 की तीसरी लहर बच्चों को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगी?

कृपया ध्यान दें, तीसरी लहर सिर्फ एक धारणा है, और हम को कोविड-19 के अनुरूप व्यवहार अपनाकर और टीका लगवा कर इसे रोक सकते हैं। सरकार ने इसके जोखिम को कम करने की तैयारी कर रही है और हमें भी इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

बच्चों और प्रश्नों के लिए कोविड-19 वैक्सीन एवं सम्बंधित प्रश्न

बच्चों के लिए टीके की आवश्यकता क्यों है?

कोविड-19 की पहली लहर ने 4% बच्चों को प्रभावित किया, जो दूसरी लहरके दौरान बढ़कर लगभग 8% हो गया। इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च ने एक सीरो सर्वे में पाया कि 25.3% बच्चों में वायरस के प्रतिरक्षी थे, लेकिन उनमें मुख्य रूप से हल्के लक्षण थे। इसलिए हमें जल्द से जल्द बच्चों का टीकाकरण करवाना चाहिए।

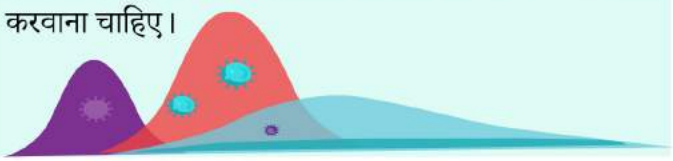

क्या बच्चों के लिए कोई अलग टीका होगा?

नहीं, वैक्सीन वही रहेगी। हालांकि, शरीर के वजन और उम्र के आधार पर खुराक अलग-अलग होगी।

क्या कोई देश है जिसने बच्चों के लिए टीके को मंजूरी दी है? हमें इसके लिए कब तक इंतजार करना होगा?

यूएसए और यूके ने 12 से 15 साल के बच्चों के लिए फाइजर के कोविड -19 वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। भारत में, भारत बायोटेक को परीक्षण शुरू करने के लिए DCGI द्वारा अनुमति दी गई है। यह सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता सुनिश्चित करने के बाद कुछ महीनों में उपलब्ध हो जाएगी ।

मेरा बच्चा पहले से ही प्रतिरक्षित हैं। क्या उसे भी कोविड वैक्सीन लगवानी होगी ?

नियमित टीकाकरण के माध्यम से, बच्चे खसरा और डिप्थीरिया जैसी 20 से अधिक जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं। कोविड वैक्सीन SARS-CoV-2 और इसके वेरिएंट से बच्चो की रक्षा करेगा।

बच्चों को टीका कैसे लगाया जाएगा?

बच्चों को टीका लगाते समय पहले माता-पिता (सहमति) से अनुमति ली जाएगी और फिर बच्चों से उनकी सहमति मांगी जाएगी। बच्चों और माता-पिता दोनों को जल्द से जल्द टीका लगवाने के लिए एक दूसरे को प्रेरित करना चाहिए।

क्या टीके बच्चों पर अलग तरह से काम करते हैं?

बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है और उनमें टी-सेल्स की संख्या अधिक होती है। वैक्सीन कोविड -19 के खिलाफ उनकी प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाएगी। वैक्सीन बच्चों पर वयस्कों के समान ही काम करती हैं।

क्या कोविड -19 की तीसरी लहर संभव है और क्या यह मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करेगी?

तीसरी लहर एवं बच्चों पर इसका प्रभाव सिर्फ एक अवधारणा है। हम इसे कोविड-अनुरूप व्यवहार और टीकाकरण के माध्यम से रोक सकते हैं।

बच्चों का टीकाकरण करना क्यों महत्वपूर्ण है?

बाल आयु वर्ग के बच्चों का टीकाकरण करना आवश्यक है क्योंकि वे माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के संपर्क में आते हैं और इन्हे परिवार से अलग रखना चुनौतीपूर्ण है और यह उनके लिए भी संक्रमण का कारण बन सकता हैं। इसलिए, उन्हें जल्द से जल्द टीकाकरण करना महत्वपूर्ण होगा।

बच्चों में मल्टी-सिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम (MIS-C) क्या है?

एमआईएस-सी एक ऐसी स्थिति है जिसमें बच्चों में हृदय, फेफड़े, लीवर और किडनी सहित शरीर के अंगों में गंभीर सूजन आ जाती है। एमआईएस-सी कोविड-19 संक्रमण के कुछ सप्ताह बाद बच्चों को प्रभावित करता है। यह एक गंभीर लेकिन दुर्लभ बीमारी है और एमआईएस-सी बीमारी के निदान वाले अधिकांश बच्चे चिकित्सा देखभाल के साथ तेजी से ठीक हो जाते हैं।

क्या वैक्सीन बच्चों के लिए स्कूल खोलने में हमारी मदद करेगी?

बच्चों और किशोरों के लिए टीकाकरण उन्हे स्कूलों में सुरक्षित रूप से रहने में मदद कर सकता है।

बच्चों के लिए वैक्सीन इतने दिनों बाद क्यों?

कोविड -19 ने मुख्य रूप से बुजुर्गों और सह-रुग्ण वयस्कों को प्रभावित किया। इसलिए नैदानिक परीक्षण वयस्कों पर केंद्रित था। हमें सभी की सुरक्षा (झुंड उन्मुक्ति) की ओर बढ़ने की जरूरत है। इसलिए अब वैक्सीन के लिए बच्चों को प्राथमिकता दी जा रही है।

दोहरा मास्क पहनें

टीका लगवाएं

दूरी बनाए रखें

मैंने टीका लगवाया
मुझे दूसरों की चिंता है

COVID19 VACCINE

वैक्सीन योद्धा ने कोविड-19 को कोविड अनुरूप व्यवहार से हराया और जीवन सामान्य हो गया

लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु ॥
समस्त विश्व का मंगलमय हो।

बच्चों के लिए टीकाकरण और कोविड -19 वैक्सीन

नियमित टीकाकरण प्रत्येक वर्ष लाखों बच्चों की जान बचाता है, वैक्सीन शरीर की प्रतिरोधक प्रणाली को सुदृढ़ बनाती है और 20 से अधिक जानलेवा बीमारियों जैसे खसरा, डिप्थीरिया, पर्टुसिस और इन्फ्लुएंजा से सुरक्षा देती है।

यह कॉमिक बच्चों और आम जनता को उनकी शंकाओं को दूर करने के लिए टीकाकरण सहित कोविड -19 वैक्सीन के बारे में मार्गदर्शन करती है। बच्चे अपने परिवार और दोस्तों को कोविड-अनुरूप व्यवहार और टीके के बारे में उचित जानकारी दे सकते हैं। बच्चे कोविड -19 बीमारी के प्रसार के रोकथाम में हमारे नायक हैं।

अवधारणा, आलेख और विचार: ©

डॉ. रविंद्र खैवाल
एडिशनल प्रोफेसर, पर्यावरण स्वास्थय,
सामुदायिक चिकित्सा एवं लोक स्वास्थय विभाग,
पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़-160012, भारत
khaiwal@yahoo.com, khaiwal.ravindra@pgimer.edu.in

डॉ. सुमन मोर
एसोसिएट प्रोफेसर एवं चेयरपर्सन,
पर्यावरण अध्ययन विभाग,
पंजाब विश्वविधालय, चंडीगढ़-160014, भारत
sumanmor@yahoo.com, sumanmor@pu.ac.in

योगदान:

लक्ष्य खैवाल
चितकारा इंटरनेशनल स्कूल, चंडीगढ़, भारत

आदित्य खैवाल
अंकुर स्कूल, चंडीगढ़, भारत

© बिना इज़ाज़त के कोई प्रत्कृति या छपाई की अनुमति नहीं है
आईएसबीएन: एप्लाइड